

ਮਿਸ਼

50900

50900 - (ज्योतिष व्यापक कल्प)

ॐ श्रीगुरुदेवमिवायै नमः ॐ म क ल क ले वि भि मू भू भू भू
 च सु नै भ द भ न ॥ उ भि द भ द पा प द रं प सु प म रि पां भ कं व न ॥ ० ॥
 ॐ उ म दे मा य वि म दे ॥ हे भ कु प य णी भ दि ॥ उ त्रः मि वः प्र मी द या उ ॥ ७
 ॐ हे भ कु पि रे हे भ कु प य भ च रु पि रे मि व य म र उ य म र ष य
 म र मि उ य पू र य म ष उ य ये ग पी ० भं भि उ य रि हं ये गि रे ष र
 द ग य ॥ ॐ न मः मि व य भ च प्र क वे मि व य रं मा र भ व उ य भ व क
 य म प र द म य य व भ म वे गु द य भ ह ए क भ उ य ॥ ॐ न भे गु द उ डि
 गु द य गे पु रि ण य भ च ये ग पि द उ य ह्ये ती कु प य प र भ म य म उ न

श्री

ਸ੍ਰਮੇਤਨੁ ਚੋਖਨਾ ॥ ੭ ॥ ਹੁ ਪਿਰਾ ॥ ੭ ॥ ਸੁਤੁ ਪਿਰਾ ॥ ੭ ॥ ਪ੍ਰਪ ਸ ॥ ੭ ॥ ਤੇਲਾ ॥ ੭ ॥ ਫੁਲੇ ॥ ੭ ॥
ਸੁਤੁ ਪ੍ਰਸਰੇ ਸ੍ਰਪ ਮਸਠ ਮਰਾ ਸ੍ਰਰ ਮੇਰਾ ਰਾਸ ॥ ੭ ॥ ਪ੍ਰਪ ਪ੍ਰਪ ॥ ੭ ॥ ਭੰਡੁ ॥ ੭ ॥ ਭੰਡੁ ॥
ਕੁਕੁ ॥ ੭ ॥ ਸ੍ਰਿਧਰ ਨਿਧਰ ਨਿਧਰ ਨਿਧਰ ਮਿਥ ਮਚ ਪਰ ਮ' ਦੁਰਾ ॥ ੭ ॥ ਮਦ ਸ੍ਰਰ
ਮਦ ਮੇਵ ਮਛੁ ਵੇ ਸ੍ਰਰ ਮਦ ਤੇਲੇ ਯੋਗਾ ਪਿ ਪਤ ਮ ਦੁ ॥ ੭ ॥ ਪ੍ਰਮਥ ॥ ੭ ॥ ਮਰ ॥ ੭ ॥ ਕੁਕੁ ॥ ੭ ॥
ਕੁਕੁ ਮਚ ਕੁਤ ਮਾਪ ਪ੍ਰਮ ਮਚ ਮ' ਤ੍ਰਿਥ ਕਰ ਕੁਕੁ ਵਿਭੁ ਕੁਕੁ ਪਾ ਸ੍ਰਰ
ਸਿਤ ॥ ੭ ॥ ਸ੍ਰਮੰ ਮੁਤ ॥ ੭ ॥ ਪ੍ਰਚ ਮਿਤ ॥ ੭ ॥ ਮਾ ਕ੍ਰਿਰਾ ॥ ੭ ॥ ਤੁਰ ॥ ੭ ॥ ਪਤ ਪ੍ਰ ॥ ੭ ॥ ਪਿਧ ॥ ੭ ॥
ਲੁਰ ॥ ੭ ॥ ਸ੍ਰਕ ॥ ੭ ॥ ਮਛੁ ॥ ੭ ॥ ਮਿਥ ਮਚ ਮਚ ਮ' ਭੰਡੁ ਮ: ਮਿਥਾਯ ਭੰਡੁ ਮੇਰ ਮ:
ਮਿਥਾਯ ਮੇਰ ਮ: ਭੰਡੁ ॥ ੭ ॥ ੭ ॥ ਭੰਡੁ ਮੇਰਾ ਪੀ ਮਤੁ: ॥ ੭ ॥ ਮਿਥਿ ਰੁਥਿ ਰੁਥਿ

ਤਿਸਰੀ ਮੇਰਾ ਕਾ : ਸਾ ਪਾਤ : ਮਹਿਰਤ ਪਦੇ ਸੇਤ ਕਲ ਸਮੁੱਖੀ
 ਤਿਤ : ਗਏ ਦਾਤਿ : ਕੁਕ ਮਾਤੁ ਮਤਿ : ਤਿਯਾ : ਕੁਸ਼ਿਕੁ ਯਾਤ
 ਗੇਰੀ ਮਾਤੁ ਮਾਤੁ ਮੇਰੀ ਤਥਾ : ਕਾ ਮਾਤੁ ਪਦੇ ਸੇਤ ਕਲ : ਪ੍ਰੇਤ ਮੁਯੇ ਮ
 ਤਮਾ ਮੇਰਾ ਕਾਤਿ ਮਾਤੁ ਮਾਤੁ ਯਾਤੁ ਯਾਤੁ ਯਾਤੁ : ਸਾ ਪਾਤੁ ਕਲਾ ਦੇਤ : ਪਮ
 ਪਮਾਤੁ ਪਿਮਾਤੁ : ਨਿਕਾਤਿ ਸੁਤਿ ਪ੍ਰਾਤੁ ਮਾਤਿ ਮਾਤੁ ਤਮਤੁ ਤਿਕ : ਪਮਾਤੁ
 ਮੁਕਲਾ ਦੇਤੁ ਗੰਮਾਤੁ ਪਿਮਾਤੁ : ਤਮਾਤੁ ਤਮਾਤੁ ਤਮਾਤੁ ਤਮਾਤੁ ਤਮਾਤੁ
 ਗੰਮਾਤੁ : ਪਦੇ ਮਾਤੁ ਕਲਾਤੁ ਮਾਤੁ ਤਿਸ ਕਲ : ਮਾਤੁ : ॥ ॥ ਸਾਤੁ ਮਾਤੁ
 ਪਿਮਾਤੁ ਪਮਾਤੁ ਗੰਮਾਤੁ : ॥ ॥ ਪ੍ਰਾਤੁ ਯਾਤੁ ਤਮਾਤੁ ਮਿਵਾਇ ਪਮਾਤੁ ਤਮਾਤੁ ਮਿਤਿ ਪ੍ਰਾਤੁ

ਸ੍ਰੀ
 ੭

ॐ वः॥ भद्रं गन्तव्यं पूज्यं वः॥ उभयं गन्तव्यं वः॥ विष्णुः विष्णुः॥
एविष्णुः भद्रं गन्तव्यं पूज्यं वः॥ उभयं गन्तव्यं वः॥ विष्णुः विष्णुः॥
यैः ॐ भद्रं गन्तव्यं पूज्यं वः॥ उभयं गन्तव्यं वः॥ विष्णुः विष्णुः॥
भद्रं॥ भद्रं गन्तव्यं पूज्यं वः॥ उभयं गन्तव्यं वः॥ विष्णुः विष्णुः॥
भद्रं गन्तव्यं पूज्यं वः॥ उभयं गन्तव्यं वः॥ विष्णुः विष्णुः॥
भद्रं गन्तव्यं पूज्यं वः॥ उभयं गन्तव्यं वः॥ विष्णुः विष्णुः॥
भद्रं गन्तव्यं पूज्यं वः॥ उभयं गन्तव्यं वः॥ विष्णुः विष्णुः॥
भद्रं गन्तव्यं पूज्यं वः॥ उभयं गन्तव्यं वः॥ विष्णुः विष्णुः॥

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

[illegible]

॥ यं उ इ उ वि म् मे डि त म नः ॥ म वे व ष ष्ट र योग क म ये ग ए र ये
गो प्र पि रु उ णि प डिः ॥ उ म या दि भ व ये गः ॥ म भु प म भु भु म
र वि ष्ट पि प त ये ड डि प म त इ उ रे प श उ ॥ उ र ये ग पि प डि प मे न ॥
पो र म कं ॥ उ द प्र र वि च म र ठ मे र पो र म कं प रि द रः ॥ ह्रि डिः प्र क
म उ पं म व रु म य भु म म उ डं म वे द्वि य प्र क मा र भ व रु म कं ॥
दे वा भु उ प मि डि ह्रि डी डु पः ॥ पा भ रं म र भु च ड व रे मा र भी मि ड
॥ मे म रः ॥ मे ड य ड ए र डी डि मे ड रः ॥ य म्ने उ य ड प्र म धा रा म भु उ
रि म्ने उ क र ॥ उ मे ड र द प य क री ड मे ड रः ॥ क र रि प द ष्ट

इय ॥ क वा मु रूप ॥ प्र प्र प्र ॥ ~~प्र प्र प्र~~ ॥ प उ प्र म धः भ न ग द्वा
यं ट ग णि प्रु रे वि सं क य न प ण य उ प्र म क व ष्टः ॥ प्र मि भ द्वा
न नी रे वे भ त्री ति प्र म धः ॥ भ न वे व द्वा द्वा ग मि भु ष्टः प्र म धः ॥ प्र प्र प्र प्र
क भ द्वा रं म ल रं भ द्वा रं भ वे ॥ के व लं मि भु ष्टः प वे उ उ ट प ग भ ॥ य ड्
व भ न यः ॥ प उ म ड्वा रः क भ द्वा ॥ न प्र म धः मि वः म न भू म जिः
व म जि भु ष्टः ॥ उ षा पि म जि म जि भु ष्टः ॥ उ षा पि म जि म जि भु ष्टः ॥ उ षा पि म जि म जि भु ष्टः ॥
म न र ॥ प क भ वे उ ड्वा रं ॥ उं ड्वा रः ॥ उं ड्वा रः ॥ उं ड्वा रः ॥ उं ड्वा रः ॥ उं ड्वा रः ॥
पू व प्र वि क ष्टः ॥ उ य भि लं क ड्वा रं ग व उ वा मि कः ॥ उ षा

श्री.
५

दिशुतिः॥ भवमभ्रं नित्यमिह भवति कुतश्च॥ गिरिः॥
अग्निं पतुं दिशुं गायत्री॥ कुतश्च॥ इति॥ उवाच॥ बभूवुः
कंपलविंशं॥ अगि तिदिवं भदं दमकं वं मं एगंती॥ कुतश्च॥
इति श्रुत्वा भवमभ्रं भवति मिषं भवति कुतश्च॥ अगि एरि एरि नि
कुतश्च॥ रिपं भं भवः भं भवतीति सुभं भवति कुतश्च॥ भवति
विनमी विनमकुपी विनमै कुतश्च॥ इति॥ मि वमा कुतश्च॥ मच॥ म
ॐ तिदिनं विविमि ति॥ मच॥ एरि गवरा॥ पगभ॥ कुतश्च॥
भगि प्ररुपः पगभ॥ कुतश्च॥ भद्रे सुभद्रे व॥ भदरी सुभद्रे

॥ ५८ ॥ वृद्धापीय ॥ श्रीमद्भगवत्परा ॥ उद्भयदत्तमुद्भयगोपभा
॥ ५९ ॥ भद्रवभा ॥ उद्भयपुत्रि ॥ पर्वतैर्भेदाः परम'जमुमु
॥ ६० ॥ भगभुता ॥ उद्भयकमः ॥ सवभुत्रि'रुद्भयभूमीसुगः ॥ भ
॥ ६१ ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥ भद्रतेराः परपुत्रमाद्भय ॥ भद्र
॥ ६२ ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥
॥ ६३ ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥
॥ ६४ ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥
॥ ६५ ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥
॥ ६६ ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥
॥ ६७ ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥
॥ ६८ ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥
॥ ६९ ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥
॥ ७० ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥ उद्भयभुता ॥ उद्भयः ॥

श्रीः

सुनाएँ पाउक भिडि मेधः॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥
दडिवा॥ भलारी डि मेधः॥ ठव॥ प्र॥ प्र॥ प्र॥ प्र॥ प्र॥ प्र॥ प्र॥ प्र॥ प्र॥ प्र॥
उडिउयभाभूडिउ भिडि पंग॥ ठव॥ ठव॥ ठव॥ ठव॥ ठव॥ ठव॥ ठव॥ ठव॥ ठव॥ ठव॥
डि मच॥ प॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥
हरी वच॥ कच॥ कच॥ कच॥ कच॥ कच॥ कच॥ कच॥ कच॥ कच॥ कच॥
मच॥ प॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥
यक॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥
प॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥ मच॥

[illegible]

ਪਦਿਸਾ॥ ਅਤਿਸਥਲਵ ਮਨਿਤੁਪ॥ ਪਿਨੁ ਸੀਪਤੁ ਪਦਤਾ॥ ਰਾਗੁ ਰੰਗੁ
ਪਿਨੁ ਰੰਗੁ॥ ਲੋਕੁ॥ ਰੰਗੁ ਮਾਤੁਤੁਪ॥ ਲੋਕੁ ਤੇਰੇ ਰੰਗਿ ਲੋਕੁ॥ ਤਦਿਯੁ ਰੰਗੁ
ਤਿਵਾ॥ ਮਕੁ ਵਿਮਕੁ ਰੰਗੁ॥ ਪਗੁ ਰੰਗੁਤੁਪ॥ ਮਕੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ॥ ਮਕੁ ਰੰਗੁ
ਰੰਗੁ॥ ਮਿਵ ਮਕੁ ਤਿਮੁ ਲੋਕੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ॥ ਮਕੁ ਤਿਪੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ॥ ਮਕੁ
ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ॥ ਮਕੁ ਰੰਗੁ॥ ਮਕੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ॥ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ॥ ਮਿਵ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ॥ ਮਿਵ
ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ॥ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ॥ ਪਗੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ॥
ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ॥ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ॥ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ
ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ॥ ਗੁਰੂ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ ਰੰਗੁ

श्रीः
३

मो ॥ १० ॥ उभय नो ॥ एक भलन व क भ क मी ह प मे द उं मे व
पु उ क भ लं प म न व कं प्र व प मं क लिक भ ए ॥ ग नू क भ म प्र
प जी पः प य म प्र चै च नै वे ह ॥ प्र चै क य ग वि भु ग ये ग ह ह म
द भ म ॥ न व न लि न म ए रि दि उं ह गे प उं ह र उ वि ध या ए म
ये ए प डि म क ल उ पं म भ मु म द च नू रि म उः ॥ रि ण रे म ड लु म
डिः ५ ए य उ न इ म मे दः ॥ प उः श द उ ग पि मु हू प मेः क ग ये ह
म भा ॥ प वं क ए म भ भ क भ न उ मि वं व ए डि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
ॐ डि श्री न मो म ग व क गे ह म ह पी क ल्य म् म भ उ डि सि व म

